राष्ट्रीय हिंदी साप्ताहिक खबरें

जनता की समस्या,हर पल टाइम्स की खबर

HAR PAL TIMES

हर पल टाइम्स

RNI NO:- MAHHIN/2011/24374

कार्यकारी संपादक : जमील जी. खान

● वर्ष : ०७ ● अंक : २३ ● मुंबई, शुक्रवार, २ से ८ फरवरी २०१८ ● पृष्ठ : ४ ● मूल्य : २/- रुपये

मुंबई, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटका, आंध्रप्रदेश, गुजरात, झारखंड, चेन्नई, कलकत्ता जानेवाला

अखबार,(०७४९८५३५२८६आपकी समस्या के लिए इस नंबर पर संपर्क करे)

राजस्थान उप चुनाव में भाजपा का सूपड़ा साफ

तीनों सीटों पर कांग्रेस का कब्जा

जयपुर। राजस्थान में दो लोकसभा और एक विधानसभी सीट के लिए उप चुनाव ने कांग्रेस ने सत्ताधारी पार्टी को जबरदस्त पटकनी दी है। कांग्रेस मे अलवर और अजमेर लोकसभा सीटों के साथ मांडलगढ विधानसभा पर कब्जा जमा लिया है। इन उप चुनावों ने कांग्रेस को सबसे बड़ी जीत अलवर से मिली।

अलवर सीट से चुनाव लड़ रहे कांग्रेस के कर्ण सिंह ने भाजपा के जसवंत यादव को पटखनी दी। अलवर में कांग्रेस के करण सिंह यादव को अब तक २४५,७७४ वोट मिल चुके हैं जबकि भाजपा के जसवंत सिंह यादव को १९२,९२४ वोट मिले हैं। उन्होंने बीजेपी के जसवंत यादव को १,५६,३१९ वोटों के अंतर से चुनाव में हराया है। अलवर सीट सांसद चांद नाथ योगी के निधन के बाद खाली हो गई थी।

वहीं अजमेर में कांग्रेस के रघु शर्मा को १५४,३३६ वोट मिले हैं जबकि भाजपा के उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी राम स्वरूप लांबा को अभी तक १२८,२९१ वोट मिले हैं। बता दें कि सांवर लाल जाट के निधन के बाद इस सीट पर चुनाव कराया गया था। उधर प्रदेश की मांडलगढ़ विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस ने बड़ी जीत हासिल की है। कांग्रेस उम्मीदवार विवेक धाकड़ ने मांडलगढ़ में भाजपा प्रत्याशी शक्ति सिंह हाडा को १२९७६ से हरा दिया है।

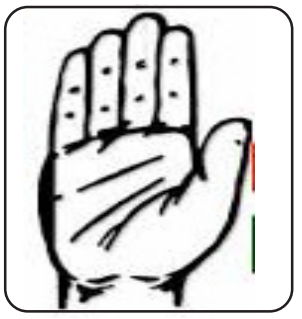

विवेक धाकड़ को कुल ७०१४३ वोट मिले हैं जबकि शक्ति सिंह हाडा को ५७१६९ वोट मिले हैं। हालांकि शुरुआत में भाजपा प्रत्याशी को बढ़त मिली थी लेकिन कुछ राउंड के बाद ही कांग्रेस ने लीड हासिल कर ली थी।

बंगाल में ममता का डंका, दोनो सीटें जीतीं

कोलकाता । बंगाल की उलुबेरिया लोकसभा सीट पर उपचुनाव में तृणमूल काँग्रेस प्रत्याशी सजदा अहमद ने ४ लाख ७० हजार वोटों से बंपर जीत हासिल की। वहीं नुआपाडा विधानसभा सीट उपचुनाव में तृणमूल प्रत्याशी सुनील सिंह ने १,११,७२९ वोटों के साथ चुनाव जीता। उन्होंने सीपीएम की गार्गी चटर्जी, बीजेपी के संदीप बनर्जी और काँग्रेस के गौत बोस को मात दी।

बीजेपी के लोग 'कौरव' है - सिद्धारमैया

नई दिल्ली। कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी और कांग्रेस में जुबानी जंग तेज हो गई है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष अमित शाह को बिना दिमाग वाला आदमी बता दिया है। मीडिया को दिए बयान में कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कहा, 'अमित शाह के पास दिमाग नहीं है, वह बिना दिमाग के आदमी हैं।' इससे पहले सिद्धारमैया ने ट्विटर के जरिए अमित शाह पर हमला बोला था। उन्होंने कहा, 'एक पूर्व कैदी जिसने कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद के लिए दूसरे कैदी का चुनाव किया है।'

अमित शाह का बिना नाम लिए उन्होंने सवालिया लहजे में पूछा, 'क्या वह मेरे और राज्य सरकार के खिलाफ भ्रष्ट्राचार के सबूत पेश कर सकते हैं। वह केवल झूठ बोल रहे हैं। जनता उनके जुमले पर भरोसा नहीं करती है।'बता दें कि सोहराबुद्दीन एनकाउंटर मामले में अमित शाह और खनन-जमीन घोटाला के आरोप में सिद्धारमैया जेल जा चुके हैं। इससे पहले बंगलूरू में एक सभा को संबोधित करते हुए सिद्धारमैया ने महाभारत का जिक्र किया था और अपने संबोधन में कहा था कि चुनाव एक वार की तरह है। जिसमें हम 'पांडव' हैं जो सही रास्ते पर चल रहे हैं और बीजेपी के लोग 'कौरव' हैं जो गलत रास्ते पर चल रहे हैं।

Alami Tablig Ijtama 2018

औरंगाबाद में आलमी तबलिग इज्तेमा २४-२५-२६ फरवरी २०१८ को

हरपल टाइम्स व हर पल टी.वी. हिन्दुस्तान के तमाम मुसलमानों को गुजारिश करता है कि इस इज्तेमा में जरूर तशरीफ लाएं

संवाददाता

औरंगाबाद, महाराष्ट्र के औरंगाबाद के करीब गंगापुर में होने जा रहा इज्तेमा ५ लाख स्के. फुट के एरिये होगा।

इज्तेमा में इंतेजामिया ऑफिस, दवाखाने, वजू खाने, टॉयलेट और सभी चीजों का इंतजाम किया जा रहा है।

बड़ी आसानी से हर सहुलियतें मिलेंगी। इसमें मुंबई के ज्यादा से ज्यादा लोगों को जिम्मेदारी दी गई है और महाराष्ट्र के कई इलाके के लोग भी इस इंतजाम में शामिल हैं। इज्तेमा में आने की तैयारियों के लिए बसेस, ट्रेन, हवाई जहाज और सड़कों से कार से आने वाले सभी चीजों का अच्छी तरह इंतजाम किया जा रहा है। इज्तेमा में दीन की बात और दावत का काम किया जाएगा। जिस तरह से तब्लीकी इज्तेमा हिन्दुस्तान के जगह-जगह बड़े सुकुन और आराम से होते जा रहे है, इंशा अल्ला ताअलाा इस इज्तेमा के बहुत बड़ी कामयाबी मिलेगी। सभी हजरात से गुजारिश है कि अपने दोस्तों, रिश्तेदारों को इस इज्तेमा की दावत दें और औरंगाबाद के करीब गंगापुर में ये इज्तेमा २४-२५-२६ को होने जा रहा है।

इज्तेमा में आकर नमाजों का एहतेराम करें और दीनी बातों पर ज्यादा से ज्यादा तवज्जा दें। अल्लाह तआला हर मुश्किलों को हल करने वाले हैं, हर मुसीबत को दूर करने वाले और रोजी के दरवाजे खोल देंगे, आप जरूर तश्वीर लाएं हर पल टीवी न्यूज की पूरी टीम आपसे दरख्वास्त करती है आप जरूर तशरीफ लाएं और साथियों को भी दावत का काम जरूर दें।

संपादकीय...

आग के मुहाने

दिल्ली के बवाना औद्योगिक क्षेत्र के तीन कारखानों में लगी आग से सत्रह लोगों के मारे जाने के बाद एक बार फिर राजनीतिक रस्साकशी शुरू हो गई है।दिल्ली के बवाना औद्योगिक क्षेत्र के तीन कारखानों में लगी आग से सत्रह लोगों के मारे जाने के बाद एक बार फिर राजनीतिक रस्साकशी शुरू हो गई है। विचित्र है कि ऐसे मौकों पर पीड़ितों और उनके परिजनों के आंसू पोंछने को हाथ बढ़ाना चाहिए, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का प्रयास होना चाहिए, राजनीतिक दलों को अपने जनाधार की फिक्र ज्यादा सताने लगती है। यह पहली बार नहीं है, जब दिल्ली के किसी औद्योगिक इलाके में भीषण आगजनी और कंपनी मालिकों के सुरक्षा इंतजामों की अनदेखी के चलते श्रमिकों को इस तरह अपनी जान गंवानी पड़ी है। प्रायः हर साल ऐसे हादसे हो जाते हैं। मगर हैरानी की बात है कि उनसे सबक नहीं लिया जाता। कुछ साल पहले ही वजीराबाद औद्योगिक इलाके में एक चप्पल बनाने वाले कारखाने में इसी तरह आग लगने से कई मजदूरों की मौत हो गई थी। छानबीन में खुलासा हुआ कि कारखाना मालिक न सिर्फ कई साल से सुरक्षा नियमों की अवहेलना करता आ रहा था, बल्कि मजदूरों को भीतर काम करता छोड़ बाहर से ताला लगा कर घर या दूसरे किसी काम पर निकल जाता था। ऐसा बहुत सारे कारखाना मालिक करते देखे जाते हैं।बवाना इलाके के कारखानों में लगी आग में भी प्राथमिक तौर पर मिली जानकारियों के मुताबिक कारखाना मालिक नियम-कायदों की अनदेखी कर रहे थे। बताया जा रहा है कि उनमें से एक कारखाना मालिक ने लाइसेंस प्लास्टिक की वस्तुएं बनाने के लिए ले रखा था, पर उसमें अवैध रूप से विस्फोटकों का निर्माण और भंडारण किया जा रहा था। आग पटाखों वाले तल पर ही लगी और उसने देखते-देखते भीषण रूप ले लिया। आग इतनी भयावह थी कि वहां काम कर रहे लोगों के लिए भाग निकलने का मौका भी नहीं मिल पाया। कारखाने में न तो आग आदि जैसी आपात स्थिति से बचाव के उपाय थे, और न निकास का समुचित प्रबंध था। उस आग ने दूसरे कारखानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। समझना मुश्किल नहीं है कि नियम-कायदों की अनदेखी और अवैध रूप से कारोबार करने का साहस कारखाना मालिक को कहां से मिला होगा। दरअसल, औद्योगिक इलाकों में सुरक्षा इंतजामों और उत्पादन आदि पर नजर रखने की जिम्मेदारी जिन महकमों पर होती है, वे खुद मुस्तैदी से अपना कर्तव्य निर्वाह नहीं करते। फिर रसूखदार लोगों के प्रभाव और दूसरे प्रलोभनों में आकर कारखाना मालिकों की मनमानियों की तरफ से आंखें मूंद लेते हैं, जिसका खमियाजा वहां दो जून की रोटी के लिए खट रहे श्रमिकों को अपनी जान देकर भुगतना पड़ता है। कारखानों की मनमानियों पर अंकुश न लगाए जा सकने का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि बवाना की ताजा घटना पर दिल्ली नगर निगम और दिल्ली सरकार आपस में इस बात को लेकर गुत्थमगुत्था हो गईं कि कारखानों को लाइसेंस देने की जिम्मेदारी किसकी है। अगर कारखाने की इमारतों के नक्शे पास करते समय ही सुरक्षा उपायों पर निगरानी रखी जाती, उनका लाइसेंस नवीकृत करने से पहले उनमें चल रही गतिविधियों पर ध्यान दिया जाता और उनके संचालन पर मुस्तैदी से और निरंतर नजर रखी जाती, तो शायद ऐसे हादसों से बचा जा सकता था। मगर ऐसे हादसों के बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष आपस में दोषारोपण करके, पीड़ितों को मुआवजे और जांच की घोषणा आदि के बाद अपनी जिम्मेदारी पूरी समझ लेते हैं।

दीपिका के नाक-कान काटने वाले को देंगे इनाम: कानपुर क्षत्रिय महासभा

कानपुर, फिल्म पद्मावत के रिलीज होने के साथ ही देश के कई हिस्सों में हिंसक प्रदर्शन, आगजनी और तोड़फोड़ जारी है। पहले भी फिल्म के कलाकारों को कई धमकियां दी जा चुकी हैं। अब कानपुर क्षत्रिय महासभा के संगठन मंत्री गजेंद्र सिंह चौहान ने कहा है कि जो भी दीपिका पादुकोण के नाक-कान काटने का काम करता है, उसे इनाम दिया जाना चाहिए।गजेंद्र ने कहा, 'दीपिका पादुकोण को सोचना चाहिए महारानी पद्मावती के बारे में ऐसा करते हुए। यह नाचने गाने वाली और आधे कपड़े पहनने वाली महारानी का रोल कर रही है। उसे शर्म आनी चाहिए। शूपर्णखा की नाक-कान लक्ष्मण जी ने काटी थी। दीपिका

के नाक-कान काटने की धमकी जो दे रहा है, वह जरूर काटे। मैं भी ऐसा ही चाहता हूं। उसको इनाम मैं भी दूंगा और पूरे कानपुर के क्षत्रिय समाज को आगे आकर सहयोग करना चाहिए। ऐसा करने वाले को करोड़ों का इनाम दिया जाएगा।' बता दें कि करणी सेना और तमाम राजपूत संगठनों के विरोध के बावजूद इस फिल्म को २५ जनवरी के रिलीज कर दिया है। कई जगहों पर तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाओं के चलते कई थिअटर्स ने इस फिल्म के शो कैंसल कर दिए हैं। वहीं, प्रशासन पूरी कोशिश में लगा है कि स्थिति को काबू में किया जा सके और लोग फिल्म देखने जा सकें।

न्याय के लिए पुलिस अधिकारियों के चक्कर काट रहे छोटे भाई ने किया आत्मदाह बड़े भाई ने पीया जहर, परिजन का कहना मेरे बेटो को पुलिस ने मार डाला

विरार, पूर्व के जीवदानी रोड स्थित सुराम माउंट सोसायटी क्षेत्र में रहने वाले एक युवक ने शनिवार को चूहे मारने की दवा पी ली थी। सोमवार को इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। मृतक के परिजन ने पुलिस पर युवक को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। आत्महत्या करने से पहले युवक ने एक सेल्फी विडियो बनाया, जिसमें उसने पालघर एसपी, डीवाईएसपी एवं विरार के पुलिस निरीक्षक की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या करने की बात कही है। इस मामले में पुलिस निरीक्षक को लाइन हाजिर कर दिया गया है। गौरतलब है कि मृतक के छोटे भाई ने भी पुलिस पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए पिछले साल नवंबर में डीवाईएसपी कार्यालय के सामने आत्मदाह कर लिया था सुराम माउंट सोसायटी की अमरनाथ इमारत में रहने वाले २९ वर्षीय अमित झा ने २० जनवरी को चूहे मारने की दवा पी ली थी। इसके बाद पहले उसे विरार के संजीवनी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत नाजुक होने पर

मुंबई के केईएम अस्पताल और फिर दादर स्थित शुश्रूषा अस्पताल में रैफर किया गया। यहां सोमवार की सुबह अमित की मौत हो गई। आत्महत्या से पहले अमित ने एक सेल्फी विडियो बनाया था, जो वायरल हो रहा है। वीडियो में युवक ने पालघर एसपी मंजुनाथ सिंगे, डीवाईएसपी जयंत बजबले और विरार के पुलिस निरीक्षक यूनुस शेख की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या करने की बात कही है। घटना को लेकर मृतक की मां ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने उसके दोनों बेटों की जान ली है। छोटे भाई ने किया था आत्मदाह गौरतलब है कि १० नवंबर २०१७ को अमित झा के छोटे भाई विकास झा (२४) ने वसई डीवाईएसपी कार्यालय के सामने आत्मदाह कर लिया था। ११ नवंबर को उसकी मौत हो गई थी। आत्मदाह से पहले उसने भी एक विडियो बनाया था, जिसमें उसने आत्महत्या के लिए स्थानीय बिल्डर मुनाफ बलूच व पुलिस निरीक्षक यूनुस शेख को जिम्मेदार ठहराया था। इस मामले में अमित झा पुलिस से न्याय की मांग कर रहा था। आरोप है कि पुलिस ने आरोपियों पर कार्रवाई के बजाय अमित को परेशान करना शुरू कर दिया था। इसके चलते निराश होकर अमित ने आत्महत्या कर ली। इधर सोमवार की सुबह अमित की मौत की खबर मिलते ही विरार पुलिस स्टेशन छावनी में तब्दील हो गया। हंगामे की संभावना को देखते हुए कड़ा बंदोबस्त किया गया है।

सीनेट चुनाव : विभागाध्यक्षों के ३ सीट के लिए १२३ उम्मीदवार

मुंबई, मुंबई विश्वविद्यालय ने सीनेट के चार प्राधिकरणों के २५ सीटों के लिए वैध नामांकन वाले उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। इसके मुताबिक, विभागाध्यक्षों के तीन सीट के लिए सबसे अधिक १२३ उम्मीदवारों का नामांकन वैध पाया गया है। प्राचार्यों के १० सीट में से ८ सीट का चुनाव निर्विरोध हो गया है, जबकि अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित एक सीट पर किसी ने नामांकन पत्र ही नहीं भरा। महिला के लिए आरक्षित एक सीट पर दो लोगों ने उम्मीदवारी जताई है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक इसमें से एक उम्मीदवार अपना नामांकन पत्र वापस लेगी।विश्वविद्यालय के कुलसचिव और चुनाव निर्णय अधिकारी डॉ. दिनेश कांबले के मुताबिक, प्राचार्यों के १० सीट में से पांच सामान्य, १ महिला, १ अनुसूचित जाति, १ अनुसूचित जनजाति, १ घुमंतू जाति और १ सीट अन्य अन्य पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षित है। इसमें से सामान्य वर्ग की ५ सीटों के लिए विट्ठल शिवणकर, अजय भामरे, श्याम जोशी, तुषार देसाई और नागेंद्रनाथ पांडेय ने उम्मीदवारी जताई है। अनुसूचित जाति, घुमंतू जाति और अन्य पिछड़े वर्ग के एक-एक सीटों के लिए विट्ठल रोकडे, महादाप्पा गोंडा और धनजी गुरव ने पर्चा भरे हैं। ये सभी उम्मीदवार निर्विरोध हो गए हैं। इनकी औपचारिक घोषणा होना बाकी है।

हार्ट अटैक से भाजपा सांसद चिंतामण वनगा का निधन

मुंबई : पालघर से भाजपा के सांसद चिंतामण वनगा का मंगलवार को दिल का दौरा पड़ने से दिल्ली में निधन हो गया। वह ६३ वर्ष के थे। बुधवार को उनका पार्थिव शरीर दिल्ली से मुंबई लाकर अंतिम दर्शन के लिए पालघर जिले में स्थित तलासरी के पास काडवा गांव में लाया गया। वहीं से उनकी अंतिम यात्रा निकली और दोपहर १२ के बाद उनका अंतिम संस्कार किया गया।

वनगा संसद के बजट सत्र में हिस्सा लेने दिल्ली गए थे। वहीं उन्हें

मंगलवार को दिल का दौरा पड़ा। उन्हें दिल्ली के राममनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनका निधन हो गया।

चिंतामण वनगा भाजपा का आदिवासी चेहरा थे। वे पिछले लोकसभा चुनाव में पालघर सीट से सांसद चुने गए थे। इससे पहले १९९६ और १९९९ में उन्होंने डहाणू लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व किया था। २००९ में वह विक्रमगढ़ सीट से विधायक का चुनाव भी जीते थे। वह १९९० से १९९६ तक ठाणे ग्रामीण भाजपा के जिलाध्यक्ष भी रहे थे। वह पालघर जिले के आदिवासियों के लोकप्रिय नेता थे। उनके परिवार में पत्नी, दो बेटे और तीन बेटियां हैं।

तीन साल बाद जागी बीएमसी

मुंबई : तीन साल से ठप पड़ी पारदर्शी व्यवस्था को बीएमसी में फिर से शुरू करने की कोशिश हो रही है। इसके तहत सारी कागजी प्रक्रिया को १ फरवरी से ई-ऑफिस के जरिए यानी ऑनलाइन तरीके से करने का आदेश दिया गया है। इस संदर्भ में अतिरिक्त आयुक्त विजय सिंघल ने परिपत्र जारी किया है। बीएमसी ने एनआईसी के माध्यम से इस व्यवस्था को लागू किया है। इसके लिए करीब १०,००० आईडी भी बनाई गई हैं।

इससे पहले दो साल व्यवस्थित रूप से लागू करने के बाद तीन साल पहले अचानक इसका उपयोग बंद कर दिया गया था।

इस व्यवस्था के तहत फाइलों को भेजने से बचा जाता है। इस मामले से जुड़े एक अधिकारी ने बताया, 'राज्य सरकार के आदेश के बाद हमने २०१२ में इसकी शुरुआत की थी।

ई-फाइल जैसा महत्वपूर्ण फैसला लागू होने के बावजूद ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। इसे न केवल पूरी तरह से लागू करना चाहिए, बल्कि इसमें टालमटोल करने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी करने की जरूरत है।

घरों के लिए बजट में हो सकती है बड़ी घोषणा, ४८ लाख घरों के साथ खाली घरों की राजधानी का तमगा भी मुंबई के माथे पर

संवाददाता

मुंबई, इस बार के आम बजट में घरों की किल्लत दूर करने के लिए बड़ी घोषणा किए जाने के आसार हैं। यदि ऐसा होता है तो हर रोज ५०-१०० किलोमीटर का सफर तय कर, काम के लिए मुंबई आने वालों को काफी राहत मिल सकती है। बदलापुर, कर्जत, यहां तक कि सूरत की ओर से भी हर दिन बड़ी संख्या में लोग काम के लिए आर्थिक राजधानी आते हैं। संसद में पेश आर्थिक सर्वेक्षण में खाली घरों का जिक्र कर सरकार ने इस व्यवस्था के खिलाफ कदम उठाने के संकेत दे दिए हैं। पूरे देश में सबसे अधिक ४८ लाख घरों के साथ खाली घरों की राजधानी का तमगा भी मुंबई के माथे पर ही है। ठाणे, कल्याण और रायगड की बात करें, तो यह इनकी संख्या और बढ़ जाती है। ऐसे में, गुरुवार को पेश होने वाले बजट में इस दिशा में बड़े कदम की घोषणा हो सकती है, जिनमें रेंटल हाउसिंग की व्यवस्था को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर रहने की उम्मीद है। सर्वेक्षण में स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि हाउसिंग क्षेत्र में अबतक केवल नए घर बनाने पर जोर दिया गया है। पॉलिसी बनाने वालों को अब इस पर अलग तरीके से विचार करने की जरूरत है, जिसमें खाली और किराए के घरों की मुख्य भूमिका आवश्यक है। बता दें कि घरों से भाड़े के रूप में होने वाली कम आय के चलते भी अक्सर प्रॉपर्टी दूसरे के उपयोग में नहीं आती है। इसके अलावा, घर भाड़े पर देने के बाद कई बार वापस लेने में आने वाली दिक्कतें और प्रॉपर्टी के अधिकार को लेकर होने वाली बहस भी काफी चुनौतियां पैदा कर रही है। जानकारों के अनुसार इन खाली घरों को लेकर कोई आकर्षक नीति इस दिशा में काफी कारगर हो सकती है। खाली घरों पर लगाम फिलहाल इमारतों में ओसी मिलने के १ साल के भीतर फ्लैट न बेचने पर, किराए पर ३० प्रतिशत दर से टैक्स लगाया जाता है। बावजूद इसके बड़ी संख्या में घर खाली पड़े रहते हैं। हाउसिंग एक्सपर्ट के अनुसार मुंबई के रियल इस्टेट की ऊंची लागत के चलते बिल्डर सस्ते में घर नहीं बेच पाते, जो इनके खाली रहने की मुख्य वजह है। लागत की तुलना में किराए से कम आय और उसके खतरों के चलते लोग अक्सर घर किराए पर देने से बचते हैं। लेकिन यदि सरकार नीतिगत स्तर पर कोई बदलाव करती है, तो यह वास्तव में कारगर साबित होगा।

बलात्कार मामले में ७ साल की सजा

पालघर : ठाणे सेशन कोर्ट ने २०१३ में एक महिला से बलात्कार के मामले में पालघर जिले के एक व्यक्ति को दोषी ठहराया है। कोर्ट ने उस व्यक्ति को ७ साल कैद और ७ हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। पालघर जिले के वाडा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में २०१३ में वहीं रहने वाले २६ वर्षीय अशोक मुकणे ने एक २५ वर्षीय महिला को पकड़ लिया था और सुनसान जगह पर ले जाकर उसका बलात्कार किया था। महिला के विरोध करने पर अशोक ने मारपीट की और उसे जान से मारने की धमकी दी थी।

गुमशुदा बच्चों की तलाश करना अब आसान खास सॉफ्टवेयर से मिलेगें गुमशुदा बच्चे

संवाददाता

मुंबई, गुमशुदा बच्चों की तलाश करना अब आसान हो जाएगा। मुंबई पुलिस में 'हॉकी मैन' के नाम से चर्चित रहे सेवानिवृत्त सहायक आयुक्त (एसीपी) वसंत ढोबले ने अपने बेटे क्षितिज के साथ मिलकर चेहरे को पहचानने वाला एक सॉफ्टवेयर बनाया है। इसे पुलिस के सीसीटीवी सिस्टम में अपलोड किया जाएगा।इससे देश में कहीं से भी गुमशुदा बच्चों के किसी भी जगह इस सिस्टम के सीसीटीवी कैमरे में आते ही पहचाना जा सकेगा। इस सॉफ्टवेयर की मदद से फरार आरोपी भी आसानी से पकड़े जा सकेंगे। आपको बता दें कि क्षितिज ने ऑकलैंड से आर्टिफिशल इंटेलिजेंस में पीएचडी की है।

ढोबले ने बताया, 'देशभर में १५,८४३ पुलिस स्टेशन हैं। मेरी जानकारी के अनुसार इन पुलिस स्टेशनों में दो लाख से ज्यादा बच्चों के गुमशुदा होने की शिकायतें दर्ज हैं। मुंबई, बेंगलुरु और दिल्ली सहित देश के लगभग सभी बड़े शहर सीसीटीवी कैमरों की नजरों में आते जा रहे हैं।

मुंबई में ६,००० से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे सीधे कंट्रोल रूम से जुड़े हैं। 'पुलिस मंजूरी पर्याप्त' २६/११ के मुख्य जांच अधिकारी रमेश महाले के अनुसार, इस तरह के सॉफ्टवेयर को अपने सिस्टम में लाने के लिए सरकार की नहीं, पुलिस महानिदेशक या पुलिस कमिश्नर की मंजूरी पर्याप्त होती है।

बेस्ट बिजली प्रशासन ने की छापेमारी, बिजली चोर २५ कारखानो मालिकों पर होगी कार्रवाई

संवाददाता

मुंबई, वडाला ट्रक टर्मिनस पुलिस ने चोरी की बिजली से कारखाने चलाने वाले २५ कारखाना मालिकों के खिलाफ कार्रवाई की है। इनमें से रेडिमेड कपड़ा तैयार करने वाले १२ कारखाना मालिक पकड़े गए हैं, जबकि अन्य फरार हैं। कार्रवाई को बेस्ट के बिजली उपक्रम के दक्षता विभाग ने अंजाम दिया है। क्या है पूरा मामला वडाला ट्रक टर्मिनस पुलिस के अनुसार, मंगलवार सुबह की गई छापेमारी में पाया गया कि बिजली केबिन क्रमांक ६४७/०३७ में गैरकानूनी रूप से बिजली के तार जोड़कर कुल १,८८,३१५ यूनिट बिजली, जिसकी कीमत

४०,०७,८२४ रुपये बताई जा रही है, कारखाना मालिकों ने चोरी की है।

इस संबंध में बिजली विभाग ने वडाला ट्रक टर्मिनस पुलिस में विद्युत कायदा अधिनियम २००३ की धारा १३५, १३८ और १५० प के तहत मामला दर्ज कराया। पुलिस ने कुल ३५ आरोपियों एवं एक बिजली चोर माफिया के खिलाफ कार्रवाई की है, जिनमें से अब तक १२ आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इसके अलावा, झोपड़ियों पर लगाए गए करीब १२०० मीटर तार भी पुलिस ने जब्त किया है। छापेमारी को बिजली विभाग के उप महाव्यवस्थापक आर.जे. सिंह के मार्गदर्शन में अंटॉप हिल के भारतीय कमला नगर इलाके में अंजाम दिया गया। मामले की जांच वडाला ट्रक टर्मिनस पुलिस कर रही है।

राजस्व की भारी क्षति मानखुर्द, चेंबूर, मालवणी, कांदिवली, शिवाजी नगर और बेहरामपाडा समेत दर्जनों झोपड़पट्टी बहुल इलाके में इमिटेशन जूलरी, रेडिमेड कपड़ा और लघु एवं कुटीर उद्योग चलाने वाले बड़े पैमाने पर बिजली चोरी करते हैं, जिससे सरकार को हर दिन लाखों रुपये का चूना लगता है।

बिजली चोर के खिलाफ काम कर रहे परिवर्तन फाउंडेशन के अध्यक्ष राजकिशोर तिवारी बताते हैं, 'बीएमसी, स्थानीय पुलिस, स्थानीय नगरसेवक और कारखाना माफिया की मिलीभगत से बिजली चोरी होती है।'

अभिनेत्री के साथ छेड़छाड़, आरोपी फरार

मुंबईः जुहू पुलिस ने एक मशहूर अभिनेत्री को जान से मारने की धमकी देने और उसके मोबाइल पर अश्लील संदेश भेजने की शिकायत पर ३८ वर्षीय आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जुहू पुलिस के अनुसार, आरोपी का नाम सरफराज उर्फ अमन खन्ना है, जो कारोबारी है। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि आरोपी उसके घर आया और आने से पहले सोसायटी परिसर में मौजूद सुरक्षा रक्षकों के साथ बदतमीजी और मारपीट की। इस दौरान जब अभिनेत्री ने बीच-बचाव किया, तो सरफराज ने उसको भी जान से मारने की धमकी दी। अभिनेत्री ने यह भी आरोप लगाया है कि सरफराज उसे पिछले कुछ दिनों से वाट्सऐप पर अश्लील संदेश भेज रहा था, जिससे वह मानसिक रूप से काफी परेशान थी।

मुंबई पुलिस प्रशासन अपराध और अपराधियों के आकड़ों तले दबा, एक साल में ११ हजार केस

संवाददाता

नालासोपारा, मुंबई के पालघर पुलिस भले ही सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रहने का दावा कर रही हो, लेकिन जिले के आपराधिक आकड़ों पर नजर डालें, तो पुलिस प्रशासन अपराध और अपराधियों के नीचे दबा-सा नजर आ रहा है। सिर्फ नालासोपारा व तुलींज पुलिस स्टेशन क्षेत्रों में ही पिछले एक साल में लगभग ११ हजार मामले दर्ज हुए है। वहीं २०१६-१७ में हत्या के २४, बलात्कार के ८७, अपहरण के ३२५, छेड़छाड़ के १२६, चोरी के ४५२, वाहन चोरी के २६३, मारपीट के २९५ व जानलेवा हमले के १५ मामले दर्ज हुए हैं।यह आंकड़े पिछले सालों की तुलना में कहीं अधिक हैं। नालासोपारा क्षेत्र में दो पुलिस स्टेशन हैं और यहां ढाई सौ पुलिसकर्मी तैनात होने के बावजूद आपराधिक घटनाओं में कमी नहीं आ रही है। ऐसे में यहां की पुलिस मुस्तैदी और नागरिकों की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं। कई ऐसे मामले भी सामने आए हैं, जिनमें अन्य राज्यों के महाराष्ट्र के दूर-दराज इलाकों के अपराधी नालासोपारा में पनाह लेते पाए गए हैं। सूत्रों के अनुसार नालासोपारा अपराधियों के छुपने के लिए सबसे सुरक्षित जगह मानी जाती है।

नशेड़ी बने सिर दर्द यहां की पुलिस के लिए अपराधियों से ज्यादा नशेड़ी सिरदर्द बने हुए हैं। बहुत से ऐसे मामले हैं जिनमें अपराध के पीछे चरसी-गर्दुल्लों का होना पाया गया है। ये नशेड़ी बिना भय के लोगों को न सिर्फ लूट रहे हैं, बल्कि विरोध करने वालों पर जानलेवा हमला करने से भी बाज नहीं आते, क्षेत्र में ज्यादातर वारदात में इन नशेड़ियों का हाथ है। पुलिस स्टेशन के सामने हुई कई वारदातें बहुत से मामले तो पुलिस स्टेशन के सामने या फिर कुछ ही दूरी पर हुए हैं।

ऐसे मामलों में अपराधी पुलिस की आंखों में धूल झोंककर फरार हो जाते हैं। हालांकि कुछ मामलों को हल करने में पुलिस को सफलता मिली है, पर ऐसे भी मामले हैं, जिनमें पुलिसवालों को लाइन हाजिर होने या निलंबन का सामना करना पड़ा है। एडीशनल एसपी, पालघर राजतिलक रौशन ने बताया, 'नालासोपारा में तेजी से बढ़ रही आबादी व स्लम एरिया होने से अपराध बढ़े हैं,आगे हमारी कोशिश रहेगी कि अपराध पर अंकुश लगाया जाए।'

सोहराबुद्दीन एनकाउंटर: बॉम्बे हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, CBI को लगा झटका

मुंबई। सोहराबुद्दीन फर्जी मुठभेड़ मामले पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने अहम फैसला सुनाते हुए सीबीआई की विशेष अदालत के फैसले को खारिज कर दिया. बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोहराबुद्दीन एनकाउंटर केस में मीडिया रिपोर्टिंग पर लगे बैन को हटा दिया. सीबीआई अदालत ने २९ नवंबर २०१७ को अपने एक आदेश में मीडिया रिपोर्टिंग पर रोक लगा दी थी. सेशन ने कोर्ट के फैसले को मुंबई के ९ पत्रकारों ने बॉम्बे हाई कोर्ट में चुनौती दी थी. बॉम्बे हाईकोर्ट की न्यायाधीश रेवती मोहिते डेरे का फैसला कई मायनों में ऐतिहासिक है. क्योंकि गाहे-बगाहे कोई ना कोई दलील देकर कभी अभियुक्त तो कभी अभियोजन पक्ष मीडिया रिपोर्टिंग पर पाबंदी लाने की कोशिश करते रहते हैं. ऐसे में ये फैसला अब नज़ीर साबित होगा.

२९ नवंबर की सुनवाई में सीबीआई इस केस के पहले गवाह को पेश करने वाली थी, तभी यह बैन लगाया गया था. मीडिया रिपोर्टिंग पर लगे बैन को हटाने के लिए ९ पत्रकारों और बृहनमुंबई यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स ने बॉम्बे हाई कोर्ट में अपील की थी. रिपोर्टिंग पर बैन की अपील सोहराबुद्दीन एनकाउंटर केस के एक आरोपी पुलिसकर्मी अब्दुल रहमान ने की थी. इस पुलिसकर्मी और दूसरे आरोपियों के वकील ने पत्रकारों के बैन हटाने की अपील का विरोध भी किया. बॉम्बे हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान टिप्पणी की कि बचाव पक्ष ऐसा कोई कानून बताने में असफल रहा, जिसके तहत निचली कोर्ट ने यह बैन लगाया था.

अन्ना की हुंकार इतिहास दोहराना अगर हुआ सफल, तो क्या नमो का बढ़ेगा संकट

मुंबई। सत्ता को सामाजिक आंदोलन की अनदेखी करना हमेशा भारी पड़ता है। अन्ना आंदोलन ने सत्ताधारी कांग्रेस के खिलाफ माहौल बनाया जिसे भाजपा ने २०१४ के लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक रुप से भुनाया। आंदोलनकारी जनता की उम्मीदें मोदी सरकार से बढ़ गई। सामाजिक आंदोलनकारी अन्ना हजारे अब केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ २३ मार्च से आंदोलन करने जा रहे हैं। मोदी सरकार से अन्ना बहुत नाराज हैं। देश से भ्रष्टाचार खत्म करवाना और लोकायुक्त व्यवस्था लाना अन्ना आंदोलन का उद्देश्य था। आंदोलन में आरएसएस व भाजपा के स्वयंसेवक और कार्यकर्ता भी शामिल

हुए थे। उनका उद्देश्य कांग्रेस को हटा कर सत्ता हासिल करना रहा होगा। आंदोलन और मोदी लहर से कांग्रेस सत्ता से बाहर हुई। लेकिन स्थिति नहीं सुधरी। आंदोलन के मुद्दों को उठाते हुए अन्ना हजारे पिछले ३ साल में ३० से अधिक पत्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिख चुके हैं, लेकिन किसी एक भी जवाब अन्ना को नहीं मिला है। सरकार ने अन्ना के मुद्दों को तवज्जों भी नहीं दी है। इस स्थिति से खफा होकर अन्ना हजारे ने २३ मार्च से दिल्ली में अनशन शुरू करने की चेतावनी दी है। अन्ना हजारे ने वर्ष २०१० में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को उन्हीं मुद्दों पर एक पत्र लिखा था जिसका जवाब नहीं मिला था। बाद में आंदोलन की चेतावनी देते हुए पत्र लिखा, तो उसको भी सरकार ने अहमियत नहीं दी।

हरपल टाईम्स व हरपल टीवी न्यूज

१) हिन्दुस्तान के किसी भी स्टेट में आप की मुश्किलों का सामना करने वाला अखबार।
२) आप पर कोई भी जुल्म हो रहा हो,
३) स्कूल में ज्यादती और जुल्म पर आवाज,
४) गुंडागर्दी और दबाव पर आवाज
५) औरतों पर जुल्म और बुजुर्गों पर जुल्म पर आवाज
६) किसी भी तरह की कोई मुश्किल पर सुनवाई न हो रही हो, हम आपकी आवाज की सच्चाई को सामने लाकर सरकार से इंसाफ दिलाने की पूरी कोशिश करते हैं।

हमारी न्यूज देखने के लिए साईट www.harpaltvnews.com टाइप करके देखिये या crimeinvestigationharpaltv.com टाईप करके सभी खबरें देख सकते हैं, अगर आपको हमसे संपर्क करना है तो हमारा नंबर है ७४९८५३५२८६ अगर आपको खबर भेजना है तो ईमेल करें : Email-harpaltimes.press@gmail.com

जमील जी. खान
चीफ एडिटर

हरपल टाईम्स व हरपल टीवी न्यूज

क्राईम द मोस्ट वांटेड व क्राईम इंन्वेस्टिगेशन न्यूज देश के सभी जगहों पर हमारी खास न्यूज बतायी जा रही है अगर आपको, मोबाईल और लेपटॉप, पर देखनी हो तो www.harpaltvnews.com टाइप करके देखिये या crimeinvestigationharpaltv.com टाईप करके सभी खबरें देख सकते हैं, अगर आपको हमसे संपर्क करना है तो हमारा नंबर है ७४९८५३५२८६ अगर आपको खबर भेजना है तो ईमेल करें : Email-harpaltimes.press@gmail.com

कम से कम फीस में इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया की ट्रेनिंग दी जा रही है..
संपर्क करें : ७०२१४२५४४२

मालक, मुद्रक, प्रकाशक वासिम जे. खान ने शिरनाजी प्रिंट, एम.एल.कॅम्प, चेंबूर, मुंबई -४०००८९ से छपवाकर, प्लॉट नं. २५ डी/१. शिवाजी नगर, गोवंडी, मुंबई - ४०००४३ से प्रकाशित किया। संपादक: वासिम जे. खान. RNI NO:- MAHHIN/2011/24374 .
Email--harpaltimes.press@gmail.com 074985 35286 (सभी विवाद निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र मुंबई,महाराष्ट्र होगा।)